वाद सं0 2313
दिनांक 18/8/04

ग्राम हसनपुर

धारा 34 एल0 आर0 एक्ट

निर्णय

श्री वादी द्वारा के प्रर्थना पत्र पर यह वाद दायर हुआ है। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि वाद निर्विवाद है क्योंकि इश्तहार जारी होने पर कोई आपत्ति पत्र प्राप्त नहीं हुआ हैं। पत्रावली पर उपलब्ध सरिश्ता, रिपोर्ट आख्या लेखपाल नकल खतौनी विक्रय पत्र एवं क्रेता द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र से प्रकट है कि दाखिल खारिज का आदेश दिया जाना उचित हैं।

अतएव आदेश हुआ है कि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र

दिनांक 11/8/04 मूल्य 30,000/- ग्राम हसनपुर

की खाता खतौनी संख्या 78

के खसरा नं0 211 मि / 0.012 है।

वार्षिक लगान 0.30 पैसे।

विक्रेता श्री नौरंग पुत्र लाल सिंह नि० ग्राम

खारिज होकर क्रेता श्री [illegible] सिंह पुत्र श्री नौरंग सिंह नि० ग्राम हसनपुर तहसील विकासनगर जिला देहरादून।

अंकित हो तावान ✗ देय हैं। बाद वसूली तावात किये जाने अमल दरामद मिसल दा0 दा0 होवे।

ह0 तहसीलदार
विकासनगर

3554

नं० सं०

विक्रय पत्र

BAR ASSOCIATION Distt. Dehradun Uttranchal VIKAS NAGAR

मालियत विक्रय पत्र 30,000/-रुपये

बाजारी मूल्य जिस पर स्टाम्प दिया है 30,000/-रुपये

स्टाम्प सीट की संख्या 04

स्टाम्प शुल्क 3,000/-रु० आवास विकास शुल्क नहिं कुल स्टाम्प का योग 3,000/-रु०

मैं / हम कि श्री नौरंग पुत्र लालसिंह, निवासी ग्राम- छानपुर, तहसील-विकासनगर, परगना-पछवादून, जिला-देहरादून, उत्तरांचल । ... विक्रेता

के स्वामी व अध्यासी हैं, और हमारी यह सम्पत्ति हर प्रकार के भार व बंधन से मुक्त है उसको श्री कश्मीर सिंह पुत्र श्री नौरंग सिंह, निवासी ग्राम- छानपुर, तहसील-विकासनगर, परगना-पछवादून, जिला-देहरादून, उत्तरांचल । ... क्रेता

को विक्रय कर दिया है जिसकी एवज में विक्रय धन 30,000/-रुपये (तीस हजार रुपये) नकद प्राप्त को निम्न प्रकार प्राप्त किया

विवरण / सम्पत्ति अन्त में वर्णित है। स्थित

नौरंग सिंह

कश्मीर

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. | Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

उपकोषाधिकारी

2 AUG 2004

विकास नगर

2981

विक्रय-पत्र

मै नौरंग पुत्र लाल सिंह, निवासी ग्राम- हसनपुर, तहसील-विकासनगर, परगना-पछवादून, जिला-देहरादून, उत्तरांचल का हूं। .... विक्रेता

एवम्

श्री कश्मीर सिंह पुत्र श्री नौरंग सिंह, निवासी ग्राम- हसनपुर, तहसील-विकासनगर, परगना-पछवादून, जिला-देहरादून, उत्तरांचल ... क्रेता

विदित हो कि विक्रेता इस विक्रय पत्र के अन्त में वर्णित भूमि का मालिक, काबिज, स्वामी, अधिकारी है और वर्णित भूमि हर प्रकार के भार, बंधन, ऋण, जमानत, रहन, बय व वाद-विवाद से पाक साफ है और मुझे भूमि को विक्रय करने के समस्त कानूनी व मालिकानाअधिकार प्राप्त हैं।

और जो कि विक्रेता ने अपनी खुशी व रजामन्दी से बिना किसी के सिखलाये-बहकाये वरन् अपनी इन्द्रियों को स्वस्थ व स्वस्थ दशा मे वर्णित भूमि मय हक निकासी, हवा, पानी, रोशनी व मौके पर कायम प्राचीन रास्तों आदि की सुविधाओं सहित इसकी उचित तयशुदा कीमत मु0= 30,000/-रु0 (तीस हजार रुपये) मेक्रेता महोदय उपरोक्त को विक्रय कर दी है और कुल विक्रय मूल्य विक्रय पत्र पंजीकरण कराने से पूर्व ही नकद प्राप्त कर लिया है, मध्य कीमत कुछ लेना-देनाशेष नही रहा है।

नौरंगसिंह

.. 2 पर

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

2982

[illegible] अधिकारी

2984

[illegible]

और जो कि विक्रेता ने विक्रीत भूमि से अपना कब्जा हटाकर व उठाकर अपने समान क्रेता महोदय का करा दिया है। क्रेता महोदय विक्रीत भूमि पर काबिज रहकर अपनी इच्छानुसार उसका प्रयोग व उपभोग करे, विक्रय करे, दान करे, वसीयत आदि द्वारा हस्तान्तरित करे आदि।

और जो कि विक्रीत भूमि की बाबत आज से पूर्व के कोई कर, लगान व टैक्स आदि देय पाये गये तो उनको विक्रेता महोदय अदा करेगा व आज के बाद के समस्त कर, लगान व टैक्स आदि क्रेता महोदय अदा करेगा।

और जो कि क्रेता महोदय को अधिकार होगा कि वह माल कागजात सरकारी से विक्रेता महोदय का नाम खारिज कराकर अपना नाम बतौर स्वामी दर्ज करा लेवे यदि इसके लिये विक्रेता महोदय के हस्ताक्षर, बयान, शपथपत्र आदि की आवश्यकता हो तो ऐसी समस्त कार्यवाही विक्रेता, क्रेता महोदय के कहने पर करने के लिये सदैव तत्पर व पाबन्द होगा।

और जो कि विक्रीत भूमि या उसका कोई भाग स्वामित्व अधिकार की कमी के कारण या विक्रय दोष की कमी के कारण क्रेता महोदय या उनके वारिसान आदि से निकल जावे तो क्रेता महोदय अपना कुल विक्रय मूल्य मय हर्जा खर्चा व लागत वगैरह मय सूद कानूनी विक्रेता व उनकी दीगर जायदाद से जिस प्रकार चाहे वसूल करे इस विक्रयपत्र के पाबन्द विक्रेता महोदय व उनके उत्तराधिकारी, स्थानापन्न व हित-प्रतिनिधि होंगे।

नौरंगसिंह

[illegible]

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

उपकोषाधिकारी

विकासनगर

घोषित विवरण:

1-यह कि विक्रीत भूमि नगरपालिका/टाउनएरिया से बाहर है और शिमला रोड से 600 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा औद्योगिक क्षेत्र से बाहर स्थित है।

2- यह कि विक्रेता एवम क्रेता दोनो अनुसूचित जाति व जनजाति के सदस्य नही है और दोनो भारतीय नागरिक है।

3- यह कि विक्रीत भूमि पर कोई पेड़, बाग वा निर्माण नही है और भूमि का पूर्व मे कोई इकरारनामा नही हुआ है।

4- यह कि विक्रीत भूमि का [illegible] रेट- 250/-रु0 प्रति वर्गमीटर है जिससे [illegible] मु0- 3,000/-रु0 का स्टाम्पशुल्क अदा किया गया है।

5- यह कि क्रेता के पिता के नाम पर मौजा-हसनपुर, त0-विकासनगर, जिला-देहरादून मे कृषि भूमि है और क्रेता उत्तरांचल राज्य के कृषक परिवार का सदस्य है।

6- यह कि विक्रीत भूमि मय सर्वाधिकार सहित विक्रय की गयी है।

विवरण विक्रीत भूमि

भूमि खाता खतौनी नं0- 79 पर फसली वर्ष 1410 से 1415 भूमि खसरा नं0- 211 रकबा- 0.0310 है0 मे से 0.012 है0 मौजा- हसनपुर, तहसील- विकासनगर, जिला-देहरादून जिसकी सीमाये निम्नवत है :-

नौरंग सिंह

4 पर

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

उर्धको...

– 5 AUG 2004

विकास नगर

सीमायें:

पूरब में : भूमि संजीव की ।

पश्चिम में : गाँव का 20 फुट चौडा कच्चा रास्ता ।

उत्तर में : विक्रेता की भूमि ।

दक्षिण में : पप्पू की भूमि ।

अतएव यह विक्रयपत्र आज दिनांक 11/08/2004 को विकासनगर, जिला-देहरादून मे लिख दिया गया कि सनद रहे व समय पर काम आवे,इतिलिखित।

ह0 .... विक्रेता

ह0 .... क्रेता

ह0गवाह 1........
राजेश चौरसिया भुल (स्वयं)

ह0गवाह 2........
मुकेश s/o तारा-चन्द
नि० गोकुल वाला तहसील
विकासनगर- देहरादून.

मसविदाकर्ता : श्री राजेश चौरसिया, एडवोकेट विकासनगर देहरादून।

टाईपकर्ता : पवन सिंह नेगी विकासनगर ।

1000 श्री कश्मीर सिंह पुत्र श्री नौरंगा सिंह (स्टाम्प ...
निवासी हसनपुर तह० विकासनगर देहरादून स्टाम्प विक्रेता (रजि०
उत्तरांचल, देहरादून
6अप्रै
9/8/04

शपथ पत्र / कृषक प्रमाण पत्र
खसरा खतौनी / फोटो आदि
प्रस्तुत की।

कीमत 20000/-

रजि० फीस, प्रति शुल्क नकल शुल्क योग कुल जमा:
600/- 10/- 0/- 800

श्री कश्मीर सिंह
पुत्र श्री नौरंग सिंह
निवासी हसनपुर
ने आज दिनांक 11-8-04
समय प्रातः 1 बजे
कार्यालय उप निबन्धक
विकासनगर जनपद देहरादून
में प्रस्तुत की।

उप निबन्धक विकासनगर
देहरादून। 11/8/04

इस लेखपत्र का निष्पादन उक्त श्री कश्मीर सिंह
.... ने स्वीकार
किया तथा लेखपत्र का निष्पादन तथा
वर्णित विक्रय धन रु० 20,000/- पूर्व
पूर्व/समक्ष मेरे समक्ष प्राप्त कर
श्री नौरंगा S/o भोल सिंह
....
ने स्वीकार किया।

उप निबन्धक विकासनगर जनपद देहरादून